



INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बौद्ध धर्म: एक परिचय

डॉ. रचना शाही

बौद्ध धर्म

बौद्ध धर्म एक महत्वपूर्ण धर्म है जो गौतम बुद्ध (Gautama Buddha) के उपदेशों पर आधारित है। यह धर्म सन् 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व से प्रभावशाली रूप से विकसित हुआ और वर्तमान में विश्वव्यापी रूप से प्रचलित है।

बौद्ध धर्म, जिसे की महात्मा बुद्ध का धर्म कहा जाता है, एक धार्मिक और दार्शनिक पथ है जो बुद्ध द्वारा स्थापित किया गया था। बौद्ध धर्म की मूल उपदेशों में दुःख के कारणों के बारे में विचार करना, संसार में दुःख को खत्म करने के लिए अनात्मवाद (अयात्मवाद) की प्रासंगिकता, चारित्रिक शुद्धि और बोधिसत्त्व के विकास की प्रोत्साहना शामिल होती है। बौद्ध धर्म में आठ आर्यमार्ग (नोबल पथ) भी हैं, जिन्हें अनुयायी बुद्ध चर्चा, ध्यान और समाधि द्वारा अनुसरण करने की प्रेरणा लेते हैं। यह धर्म दुनिया भर में अनेक लोगों के द्वारा अपनाया जाता है और उन्हें उच्च आदर्शों और नैतिकता के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।

बौद्ध धर्म के मुख्य सिद्धांतों में शून्यता (Emptiness) की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अनुसार, सब कुछ अनित्य (Impermanent) है और दुःख (Suffering) का कारण इंद्रियों के आसक्ति में स्थित होने का प्रतिफल है। शून्यता के माध्यम से, मनुष्यों को अपनी आसक्तियों को छोड़कर सत्यता की प्राप्ति और निर्वाण (Nirvana) की प्राप्ति होती है, जो सुख (Happiness) और मुक्ति की स्थिति है।

बौद्ध धर्म के चार महत्वपूर्ण सत्य (Four Noble Truths) हैं:

बौद्ध धर्म में चार सत्य (Four Noble Truths) निम्नलिखित हैं:

1. दुःख का सत्य (The Truth of Suffering): इस सत्य के अनुसार, जन्म, वृद्धि, रोग, मृत्यु और मनःपीड़ा जैसी दुःखों का अनुभव हमारे जीवन का नियमित हिस्सा है।
2. दुःख के कारण का सत्य (The Truth of the Cause of Suffering): यह सत्य बताता है कि दुःख के पीछे कारण होते हैं, जिनमें मोह (अविद्या), आसक्ति, आविष्कार और तृष्णा शामिल हो सकती है।
3. दुःख के निवारण का सत्य (The Truth of the Cessation of Suffering): इस सत्य के अनुसार, दुःख को समाप्त करने का मार्ग मोक्ष है। दुःख का निवारण संभव है जब हम मोह को समाप्त करते हैं और तृष्णा से मुक्त हो जाते हैं।
4. दुःख के निवारण के मार्ग का सत्य (The Truth of the Path Leading to the Cessation of Suffering): इस सत्य में बताया गया है कि दुःख के समाप्ति के लिए आर्यमार्ग (नोबल पथ) अनुसरण करना आवश्यक है।

बौद्ध धर्म में प्रमुख मार्गों को चार मार्गों में संक्षेप में समाहित किया जा सकता है:

1. विवेक मार्ग (Path of Wisdom): यह मार्ग सम्यक दृष्टि (Right View) और सम्यक संकल्प (Right Intention) को सम्मिलित करता है। यह समझने की क्षमता और धार्मिक ज्ञान को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
2. शील मार्ग (Path of Virtue): यह मार्ग सम्यक वचन (Right Speech), सम्यक कर्मान्त (Right Action) और सम्यक जीविका (Right Livelihood) को सम्मिलित करता है। यह सत्यप्रियता, अहिंसा और निष्काम कर्म की प्रवृत्ति पर ध्यान केंद्रित करता है।
3. समाधि मार्ग (Path of Meditation): यह मार्ग सम्यक वायाम (Right Effort), सम्यक स्मृति (Right Mindfulness) और सम्यक समाधि (Right Concentration) को सम्मिलित करता है। यह ध्यान, धारणा और स्वाध्याय की प्रवृत्ति पर ध्यान केंद्रित करता है।
4. प्रज्ञापारमिता मार्ग (Path of Transcendental Wisdom): यह मार्ग प्रज्ञापारमिता बोधिसत्त्वत्व को सम्मिलित करता है। यह उदारता, करुणा, मैत्री और मुदिता की प्रवृत्ति पर ध्यान केंद्रित करता है।

बौद्ध धर्म के प्रमुख ग्रन्थ-

बौद्ध धर्म के कई प्रमुख ग्रंथ हैं। यहां कुछ प्रमुख बौद्ध ग्रंथों का उल्लेख किया गया है:

1. त्रिपिटक (Tipitaka): यह बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथों का संग्रह है। त्रिपिटक के तीन खंड हैं - सूत पिटक (Sutta Pitaka), विनय पिटक (Vinaya Pitaka) और अभिधम्म पिटक (Abhidhamma Pitaka)।
2. दीपिका (Dhammapada): यह बौद्ध धर्म का प्रसिद्ध ग्रंथ है, जिसमें महात्मा बुद्ध के उपदेश, दीप्ति (पद) के रूप में संग्रहीत हैं।
3. महायान सूत्र (Mahayana Sutras): ये ग्रंथ महायान बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण सूत्रों का संग्रह हैं, जैसे कि अवलोकितेश्वर सूत्र, प्रज्ञापारमिता हृदय सूत्र, लोटस सूत्र आदि।
4. विमलकीर्ति निर्देश (Vimalakirti Nirveda Sutra): यह ग्रंथ विमलकीर्ति बोधिसत्त्व के उपदेशों को संग्रहित करता है, जो महायान बौद्ध धर्म में प्रमुख माने जाते हैं।
5. अभिधम्म पिटक (Abhidhamma Pitaka): यह बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक है। यह त्रिपिटक का तीसरा खंड है और मनोविज्ञान, तत्त्व और मनोविज्ञान के पूर्ण विवरण प्रदान करता है। अभिधम्म पिटक में धार्मिक और दार्शनिक विषयों पर विस्तृत विवरण, तत्त्वज्ञान, मनस्थितियाँ, बुद्ध द्वारा उपदेशित ध्यान के तरीके, कर्म और कर्मफल के सिद्धांत, भावनाओं और भावना के रूपों का वर्णन, मनोवृत्ति के विविध पहलुओं की व्याख्या, मनोवृत्ति की विभिन्न विधियों का वर्णन आदि हैं। यह ग्रंथ बौद्ध धर्म की विस्तृत तार्किक प्रवृत्ति को संकल्पित करता है और बौद्ध विचारधारा के गहनतम और विस्तृततम अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची-

1. बौद्धधर्म- दर्शन, आचार्य नरेंद्र देव, बुद्धम पब्लिशर
2. बुद्ध और उनका धम्म, डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर, गौतम बुक सेंटर
3. धम्मपद (बुद्ध के अनमोल वचन), डॉ. महेंद्रनाथ सिंह, कला प्रकाशन
4. जैन एवं बौद्ध साहित्य में कला (प्राचीन भारतीय इतिहास के संदर्भ में) डॉ अरुणा सोनी, गीता प्रकाशन
5. बौद्ध दर्शन, संस्कृति एवं साहित्य: रामशंकर त्रिपाठी और विजयशंकर चोबे, केंद्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय सारनाथ (वाराणसी)

